08-05-2022

एनएसआई इंडोनेशिया के चीनी मिलों का कायाकल्प करेगा

▸ संस्थान का एक डेलिगेशन अगले माह इंडोनेशिया की विजिट पर जाएगा

डीटीएनएन

कानपुर। निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान का एक प्रतिनिधिमंडल अगले महीने इंडोनेशिया का दौरा करेगा और मेसर्स पॉलिटेक्निक पेर्केबुनन एलएलपी, योग्यनकार्ता, इंडोनेशिया के साथ इंडोनेशियाई चीनी कारखानों के तकनीकी कर्मचारियों के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने एवं आपसी हित के क्षेत्रों पर शोध कार्य के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगा। मैसर्स पोलिटेक्निक पेर्केबुनन एलएलपी, योग्याकार्ता, इंडोनेशिया के अनुरोध पर, भारत सरकार द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है।

इंडोनेशिया में चीनी का उत्पादन काफी कम

इंडोनेशिया चीनी की कमी वाला देश है और मौजूदा चीनी मिलों का कामकाज बेंचमार्क से काफी नीचे है। इमशीन के पीछे बैठा आदमी भी उतना ही महत्वपूर्ण है अतः इस प्रकार के एमओयू का उद्देश्य इंडोनेशिया की चीनी मिलों में कार्यरत स्टाफ के ज्ञान के स्तर को बढ़ाना और उन्हें मानक संचालन प्रक्रियाओं, नवीनतम प्रसंस्करण तकनीकों और ऊर्जा कुशल उपकरणों के बारे में जागरूक करना है। प्रो नरेंद्र मोहन ने कहा कि हम उन्हें चीनी मिलों से प्राप्त सह उत्पादों के उचित तरीके से उपयोग के महत्व के बारे में भी शिक्षित करेंगे ताकि वहां की चीनी मिलों के राजस्व में वृद्धि हो सके।

डेलिगेशन शुगर इंडस्ट्री का दौरा करेगा

यात्रा के दौरान, संस्थान का प्रतिनिधिमंडल वहां की चीनी इकाइयों की स्थिति और कार्यरत कर्मचारियों के ज्ञान के स्तर के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए कुछ चीनी कारखानों का भी दौरा करेगा और तदनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जाएंगे।

इंडोनेशियाई चीनी कारखानों में योग्य जनशक्ति की कमी को देखते हुए, प्रस्तावित यात्रा से भारतीय छात्रों के लिए विशेष रूप से शुगर इंजीनियरिंग, शुगर टेक्नोलॉजी, इंस्ट्रूमेंटेशन और पर्यावरण विज्ञान

पृष्ठभूमि वालों के लिए रोजगार के नए दरवाजे खुलने की उम्मीद है। संस्थान के ऐसे कई पूर्व छात्रों ने बहुत ही आकर्षक वेतन पैकेजों पर वहां पहले ही कार्यभार ग्रहण कर लिया है।नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक ने कहा कि हम इंडोनेशियाई चीनी उद्योग में ब्रांड इंडिया की छवि बनाने के लिए आश्वस्त हैं।

---

sunday pioneer

LUCKNOW | SUNDAY | MAY 8, 2022

NSI delegation to visit Indonesia

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

A delegation of National Sugar Institute, under the leadership of Director, Prof Narendra Mohan, shall visit Indonesia next month to sign a Memorandum of Understanding with Politeknic Perkebunan LLP, Yogyankarta, Indonesia for jointly conducting training programmes for technical staff of Indonesian Sugar Factories and to carryout research work on areas of mutual interest. Prof Mohan said on the request approval for signing the MoU had already been accorded by the Government of India.

He said Indonesia was a sugar deficient country and the working of the existing sugar factories was much below the benchmark. He said 'Man sitting behind the machine is equally important' and thus the aim of this MoU was to enhance the knowledge levels of the in-service personnel and to make them aware about standard operating procedures, latest processing techniques and energy efficient equipment.

He further stated that NSI will also educate them about the importance of utilisation of byproducts in proper manner so as to enhance revenues. He said during the visit, the institute delegation shall visit few sugar factories also to get first hand information about the status of sugar units and knowledge levels of working staff and It may be mentioned here that looking to the scarcity of the qualified manpower in Indonesian Sugar Factories, proposed visit was also expected to open new doors of employment for the Indian students, particularly from Sugar Engineering, Sugar Technology, Instrumentation and Environment Science backgrounds.

Director National Sugar Institute, Prof Narendra Mohan addressing presspersons on Saturday. Pioneer

Manvadhikar Media

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट संस्थान का एक प्रतिनिधिमंडल करेगा इंडोनेशिया का दौरा

कानपुर से चीफ कोऑर्डिनेटर अभिषेक कठेरिया कि रिपोर्ट

कानपुर: प्रोफेसर नरेंद्र मोहन, निदेशक के नेतृत्व में संस्थान का एक प्रतिनिधिमंडल अगले महीने इंडोनेशिया का दौरा करेगा और मेसर्स पॉलिटेक्निक पेर्केबुनन एलएलपी, योग्यनकार्ता, इंडोनेशिया के साथ इंडोनेशियाई चीनी कारखानों के तकनीकी कर्मचारियों के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने एवं आपसी हित के क्षेत्रों पर शोध कार्य के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगा। मसर्स पोलिटेक्निक पेर्केबुनन एलएलपी, योग्याकार्ता, इंडोनेशिया के अनुरोध पर, भारत सरकार द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी ह।

इंडोनेशिया चीनी की कमी वाला देश ह□और मौजूदा चीनी मिलों का कामकाज बेंचमार्क से काफी नीचे ह। “मशीन के पीछे बठा आदमी भी उतना ही महत्वपूर्ण ह। अतः इस प्रकार के एमओयू का उद्देश्य इंडोनेशिया की चीनी मिलों में कार्यरत स्टाफ के ज्ञान के स्तर को बढ़ाना और उन्हें मानक संचालन प्रक्रियाओं, नवीनतम प्रसंस्करण तकनीकों और ऊर्जा कुशल उपकरणों के बारे में जागरूक करना ह। प्रो नरेंद्र मोहन ने कहा कि हम उन्हें चीनी मिलों से प्राप्त सह उत्पादों के उचित तरीके से उपयोग के महत्व के बारे में भी शिक्षित करेंगे ताकि वहां की चीनी मिलों के राजस्व में वृद्धि हो सके।

यात्रा के दौरान, संस्थान का प्रतिनिधिमंडल वहां की चीनी इकाइयों की स्थिति और कार्यरत कर्मचारियों के ज्ञान के स्तर के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए कुछ चीनी कारखानों का भी दौरा करेगा और तदनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम तयार किए जाएंगे।

इंडोनेशियाई चीनी कारखानों में योग्य जनशक्ति की कमी को देखते हुए, प्रस्तावित यात्रा से भारतीय छात्रों के लिए विशेष रूप से शुगर इंजीनियरिंग, शुगर टेक्नोलॉजी, इंस्ट्रूमेंटेशन और पर्यावरण विज्ञान पृष्ठभूमि वालों के लिए रोजगार के नए दरवाजे खुलने की उम्मीद ह। संस्थान के ऐसे कई पूर्व छात्रों ने बहुत ही आकर्षक वेतन पकेजों पर वहां पहले ही कार्यभार ग्रहण कर लिया ह।

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक ने कहा कि हम इंडोनेशियाई चीनी उद्योग में “ब्रांड इंडिया” की छवि बनाने के लिए आश्वस्त हैं।

इंडोनेशिया का दौरा करेगा एनएसआई का प्रतिनिधि मंडल

इंडोनेशियाई चीनी उद्योग में ब्रांड इंडिया की छवि बनाने पर विशेष जोर-निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

कानपुर, 7 मई। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन के नेतत्व में एक प्रतिनिधि मंडल अगले महीने इंडोनेशिया का दौरा करेगा और मेमेर्स पॉलिटेक्निक पेर्केबुनन एलएलपी, योग्यनकार्ता, इंडोनेशिया के साथ इंडोनेशियाई चीनी कारखाने के तकनीकी कर्मचारियों के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने एवं संयुक्त रूप से शोध कार्य के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी करेगा। इंडोनेशिया चीनी की कमी वाला देश है और मौजूदा चीनी मिलो का कामकाज से काफी नीचे है। नवीनतम प्रसंस्करण तकनीको और ऊर्जा कुशल उपकरणों के बारे में जागरुक करना है। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि हम उन्हे चीनी मिलो से प्राप्त सह उत्पादों के उचित तरीके से उपयोग के महत्व के

निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

बारे मे भी शिक्षित करेंगे ताकि वहां की चीनी मिलो के राजस्व में वृद्धि हो सके। यात्रा के दौरान संस्थान का प्रतिनिधि मंडल वहां की चीनी इकाइयों की स्थिति और कार्यरत कर्मचारियोंम के ज्ञान के स्तर के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए चीनी कारखानों का भी दौरा करेगा और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी तैयार किये जाएंगे। भारतीय छात्रों के लिए विशेष रूप से शुगर इंजीनियरिंग, शुगर टेक्नोलाजी, इंस्टुमेंटेशन और पर्यावरण विज्ञान पृष्टभूमि वालों के लिए रोजगार के नए दरवाजे खुलने की उम्मीद है। वहां कई पूर्व छात्रों ने आकर्षण वेतन पैकेजों पर पदभार ग्रहण कर लिया है। निदेशक ने कहा कि हम इंडोनेशियाई चीनी उद्योग में ब्रांड इंडिया की छवि बनाने के लिए आश्वस्त है।